MPPSC

मुख्य परीक्षा

पेपर-1, पार्ट-B

Awarded for
Result Oriented Academy
For UPSC/MPPSC-2019
by **Kamal Nath** (CM M.P.)

Awarded for
Leading E-Learning
Academy of MP-2018
by **Shivraj Singh Chouhan** (CM M.P.)

स्थापना पंजीयन क्रमांक : C/177429

शर्मा एकेडमी®

an Institute for IAS/IPS, MPPSC

MPPSC

मुख्य परीक्षा

प्रथम प्रश्न पत्र (खण्ड-ब)

Author

Surendra Sharma

(Director Sharma Academy)

© Surendra Sharma (Sharma Academy)

all rights reserved. No part of this publication may be reproduced, or distributed in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, or stored database or retrieval system without the prior written permission of the publisher.

MPPSC मुख्य परीक्षा प्रथम प्रश्न पत्र (खण्ड-ब)

	पेज
इकाई-1 विश्व का भूगोल • प्रमुख भौतिक लक्षण:- पर्वत (2), पठार (5), मैदान (9), नदियाँ (11), झीलें (14) एवं हिमनद (16)। • प्रमुख भौगोलिक घटनाएँ:- भूकंप (21), सूनामी (24), ज्वालामुखी क्रिया (25), चक्रवात (45) • विश्व की जलवायु :- जलवायु एवं ऋतुएँ (30) , वर्षा का वितरण एवं जलवायु प्रदेश ,जलवायु परिवर्तन एवं उसके प्रभाव (53)	1-61
इकाई-2 भारत का भूगोल • प्रमुख भौतिक स्वरूप:- पर्वत (62), पठार (64), मैदान (64), नदियाँ (66), झीलें (80)एवं हिमनद (80)। • भारत के भू - आकृतिक प्रदेश (82) • जलवायु:- मानसून की उत्पत्ति (92) , एल नीनो (52), जलवायु एवं ऋतुएँ (94), वर्षा का वितरण एवं जलवायु प्रदेश (97) • प्राकृतिक संसाधन प्रकार एवं उपयोग (99) • जल, वन, मृदा (101) • शैल (117) एवं खनिज (122) • जनसंख्या - वृद्धि, वितरण, घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता, प्रवास, ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या (137) • खाद्य प्रसंस्करण एव संबंधित उद्योग (143) संभावनाएँ एवं महत्त्व (145), उद्योगों का स्थानीयकरण (149), उद्योग की पूर्ववर्ती एवं अग्रवर्ती आवश्यकताएँ (146), मांग -पूर्ति श्रंखला प्रबंधन (147)	62-150
इकाई-3 मध्यप्रदेश का भूगोल • प्रमुख भूआकारिकी (Gromorphic) प्रदेश- नर्मदा घाटी एव मालवा पठार के विशेष संदर्भ में (151) • प्राकृतिक वनस्पति (161) एवं जलवायु (166) • मृदाः- मृदा के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुण (169), मृदा प्रसंस्करण एवं मृदा निर्माण (172), मृदा क्षरण एवं ह्रास की समस्याएँ (174)। समस्याग्रस्त मृदा एवं उसके परिष्कार के तरीके (177)। जलग्रहण आधार पर मृदा संरक्षण नियोजन (180)। • खनिज (182)एवं ऊर्जा संसाधन (186)- प्रकार, वितरण एवं उपयोग। • प्रमुख उद्योगः- कृषि उत्पाद, वन एवं खनिज आधारित उद्योग(189) • राज्य की जनजातियाँ- आपदाग्रस्त जनजातियों के विशिष्ट संदर्भ में (202)	151-216
इकाई-4 जल एवं आपदा प्रबंधन • पेयजल:- आपूर्ति (217), जल की अशुद्धि के कारण एवं गुणवत्ता प्रबंधन (219) • जल-प्रबंधन (220) • भूजल एवं जल संग्रहण (224) • प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाएँ, आपदा प्रबंधन की अवधारणाएँ एवं विस्तार की संभावनाएँ, विशिष्ट खतरे एवं उनका शमन (233) • सामुदायिक योजना - संसाधन मानचित्रण, राहत एवं पुनर्वास (260), निरोधक एवं प्रशासनिक उपाय (266), सुरक्षित निर्माण (270), वैकल्पिक संचार एवं जीवन-रक्षा हेतु दक्षता (278)	217-280
इकाई-5 भूगोल की आधुनिक तकनीक • सुदूर संवेदन (281)- सिद्धान्त (282) विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम (290) उपग्रहों के प्रकार (295) संवेदन का उपयोग (294) • जी.आय.एस.(भौगोलिक सूचना प्रणाली) - घटक एवं उपयोग (296)। • जी.पी.एस.(भौगोलिक पोजिशनिंग सिस्टम) -आधारभूत संकल्पना एवं उपयोग (303)। **MPPSC सामान्य अध्ययन आदर्श प्रथम प्रश्न.पत्र (306)**	281-306